

Total No. of Questions : 5

[Total No. of Printed Pages : 2

MFS-318

B.A.M.S. IV Professional Examination 2017

PANCHAKARMA

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Note: Attempt all five questions. Each questions carry equal marks.

Q.1. Describe the followings:

- a) Metabolism of Fat
- b) Types of Snehana
- c) Method of administration, dose fixation and utility of Sadyo Sneha
- d) Mode of action of Snehana

उपयोगिता

Q.2. a) Describe the definition, utility and importance of physiotherapy in Panchakarma.

- b) Concept of Jalaukavacharana and its therapeutic indications.

जलाउकवचरण



COLLECTION OF VARIOUS

- > HINDUISM SCRIPTURES
- > HINDU COMICS
- > AYURVEDA
- > MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with
By

Avinash/Shashi

Icreator of
hinduism
server

(2)

Q.3. Explain the followings:

- a) Indication and contraindication of Virechana
- b) Parihar Vishaya of Svedana
- c) Sauna and Steam bath
- d) Complication of Virechana and their management

Q.4. Explain the followings:

- a) Administration of Vamanopaga Dravya
- b) Symptoms of Samyak Yoga and Atiyoga of Vamana Karma
- c) Clinical importance of Vamana Karma
- d) Samsarjana Karma in Vamana

Q.5. Write in short notes on:

- a) Basti Karmukata
- b) Madhutailika Basti
- c) Samyak yoga of Nasya- clinical observation
- d) Karma, Kala and Yoga Basti schedules



Roll No. 105860

Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 4

**B.A.M.S. IVth Professional
Examination, 2017**

MF-318

PANCHKARMA

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : सभी पाँच प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

Attempt all *five* questions. Each question carries equal marks.

1. निम्नलिखित का वर्णन कीजिए—

Describe the following :

(i) शिरोधारा

Shiro Dhara

(ii) स्नेहन का प्राविचारण

Pravicharana of Snehana.

SO-318

(1)

Turn Over

(iv)

- (iii) खुराक का निर्धारण तथा बिनहनार्थ स्नेह की उपयोगिता,
प्रबन्धन की विधि।

Method of administration, dose fixation and
utility of Brinhanarth Sneha.

- (iv) उद्वर्तन

Udvartana

2. (a) अर्द्ध-चिकित्सा के रूप में बस्ति के महत्व का वर्णन
कीजिए।

Explain the importance of Basti as Ardha Chikitsa

- (b) रक्त मोक्षन की विचारधारा।

Concept of Raktamokshana.

3. निम्न की व्याख्या कीजिए :

Explain the following :

- (i) अल्ट्रासोनिक चिकित्सा

Ultrasonic therapy

- (ii) नास्य के विभिन्न प्रकारों की डोज (खुराक) का निर्धारण

Dose fixation of different types of Nasya

- (iii) नास्य के कार्य का तरीका

Mode of action of Nasya

(iv) उत्तर बस्ति का संकेत तथा विपरीत संकेत।

Indication and Contraindication of Uttara Basti

4. निम्न का वर्णन कीजिए :

Describe the following :

(i) निरुहा बस्ति की जटिलता एवं इसका प्रबन्ध

Complication of Niruha Basti and its management.

(ii) उम्र के अनुसार खुराक निर्धारण तथा अनुवासन बस्ति के प्रबन्ध का समय

Dose fixation and time of administration of Anuvasan Basti according to age.

(iii) विरेचन का संकेत तथा विपरीत संकेत

Indication and Contraindication of Virechana

(iv) वमन तथा विरेचन कर्म के लिये परिहार विषय।

Parihar Vishaya for Vamana and Virechana Karma.

5. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

Write short notes on the following :

(i) रुक्ष तथा स्निग्ध स्वेद का संकेत

Indication of Ruksha and Snigdha Sveda.

(ii) वमन कर्म के विपरीत संकेत → । २३-

Contraindications of Vamana Karma.

(iii) वमन में शुद्धि के प्रकार तथा उनका मापन पैमाना

Types of Shuddhi in Vamana and their measurement scales.

(iv) लक्षण बस्ति

Lakhan Basti.

Roll No.: 14278024

Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 2

MG-104

**B.A.M.S. IV Prof. (New)
Examination June 2018**

PANCHKARMA

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note : Attempt all five questions. Each question carry equal marks.

Q.1. Describe the followings:

- a) Importance of Koshta and Agni Pariksha in Snehana.
- b) Pariharya Vishaya for Panchkarma
- c) Metabolism of Fat
- d) Clinical practice of Siro Pichu and Shiro Basti

Q.2. a) Explain the complication of Niruha Basti and its Ayurvedic and modern management.
b) Concept of Shirodhara and its therapeutic uses.

(2)

Q.3. Explain the followings:

- a) Short wave diathermy
- b) Dose fixation of different types of Nasya
- c) Complication of Nasya
- d) Indication and Contraindication of Uttara Basti

Q.4. Describe the followings:

- a) Classification of Virechana drugs
- b) Dose fixation and administration of Anuvasan Basti according to age
- c) Indication and Contraindication of Vamana
- d) Therapeutic indication of Svedana

Q.5. Write the short notes on:

- a) Indication of Ruksha and Snigdha Sveda
- b) Contraindications of Virechana Karma
- c) Indications of Siravedha
- d) Avapeedan Nasya



(4)

Roll No.
30 -/-/3

M-679

February 2018
B. A. M. S. IIIrd. Year Examination
Batch (2010)
SHALYA TANTRA - II

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. अश्मरी की परिभाषा, निदान, लक्षण, भेद एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिये । 20
2. हर्निया (Hernia) की परिभाषा बताते हुए इंग्वाइनल हर्निया (Inguinal Hernia) का वर्णन कीजिये । 20
3. भग्नदर के निदान, भेद एवं चिकित्सा लिखिये । 20
4. Appendicitis का सापेक्ष निदान (Differential Diagnosis), लक्षण एवं चिकित्सा लिखिये । 20
5. निम्न पर टिप्पणी लिखिये :
(अ) Perianal Abscess 4
(ब) Ulcerative Colitis 4
(स) यकृत विद्रधि (Liver Abscess) 4
(द) Colle's Fracture 4
(इ) संधिमोक्ष । 4

Roll No.
70 -/-2/3

M-732

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
SHALYA TANTRA
Paper II
(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100]

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. अश्मरी रोग का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार निदान, पूर्वरूप, लक्षण, सम्प्राप्ति तथा प्रकारों का वर्णन करते हुये चिकित्सा पर विस्तृत विवेचन कीजिये।
2. भग्न के प्रकार, सामान्य लक्षण एवं उपद्रवों का वर्णन करते हुये ऊर्वास्थि भग्न (Fracture of Femur) पर विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. निम्न पर टिप्पणी कीजिए :
 - (अ) जलोदर (Ascitis)
 - (ब) आन्तपुच्छशोथ (Appendicitis)
 - (स) मूत्रघात (Refontron of Urine)
 - (द) रक्त प्रवाहिका (Ulcertive Colitis).
4. वृद्धि रोगों का आयुर्वेदीय वर्णन करते हुये आन्त्र वृद्धि (Inquinal Hernia) के निदान, प्रकार, लक्षण एवं चिकित्सा पर विस्तृत विवेचन कीजिये।
5. टिप्पणी लिखिए :
 - (अ) पौरुष ग्रथि वृद्धि (Benign Prostatic Hyperplasia)
 - (ब) परिकर्तिका (Fissure in Ano)
 - (स) मूत्रकृच्छ (Disurea)
 - (द) स्तन विद्रधि (Brest Abscess).

Roll No.
70 -/-2/3

M-731

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New) (2012 Batch)
SHALYA TANTRA
Paper I

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

भाग अ

1. (क) शल्य तंत्र की परिभाषा लिखते हुए शल्य सम्बन्धी आचार्य डल्हण का मत लिखिए । 5
2. (ख) सुश्रुत मतानुसार यन्त्रों का वर्गीकरण करते हुए शल्य चिकित्सा में उपयोग उदाहरण सहित लिखते हुए आधुनिक शल्य चिकित्सा में प्रयोग किये जाने वाले surgical instruments के साथ तुलना कीजिये । 10
3. उभय मत से रक्तस्तेम्भन की विधियों का वर्णन करते हुए रक्ताधान (Blood Transfusion) का महत्व एवं इसके उपद्रव (complications) लिखिए । 15
4. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
 - (क) स्थानिक संज्ञाहरण (Local Anaesthesia) के लिए प्रयोग की जाने वाली औषधियों के नाम, मात्रा, उपद्रव । 5
 - (ख) सीवन कर्म (Suturing techniques) । 5
 - (ग) अग्नि कर्म के योग्य एवं अयोग्य रोग तथा रोगी । 5
 - (घ) क्षार सूत्र निर्माण में प्रयुक्त होने वाले द्रव्य एवं निर्माण विधि । 5

भाग ब

5. व्रण शोथ की विभिन्न अवस्थाओं का विस्तृत वर्णन करते हुए इसके उपद्रव बताइये तथा पक्व व्रण शोथ की चिकित्सा लिखिए । 15
6. Varicose Veins की निदान-सम्बन्धि (Etiopathology), लक्षणों (Clinical Features), नैदानिक परीक्षणों (Diagnostic Clinical Examinations and Imaging Investigations) को बताते हुए चिकित्सा विधियों का नामोल्लेख कीजिए । 15

P. T. O.

6. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :

- (क) Ulcer के Clinical features ।
- (ख) सुश्रुत अनुसार शुद्ध एवं रूढ़ व्रण के लक्षण ।
- (ग) Tennis Elbow.
- (घ) गलगण्ड ।

Roll No.
40 -/-1/2

M-129

February 2018

B. A. M. S. Third Professional Examination

शल्य तन्त्र

द्वितीय प्रश्नपत्र

(With Modern Surgery)

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (अ) रुह्यमान व्रण के लक्षण लिखिए ।

Write down the features of Ruhyman Vrana. 5

(ब) आमाशय व्रण के कारण लिखिए ।

Write the causes of Peptic Ulcer. 5

(स) व्रण परिग्रह क्या है ? नाड़ी व्रण के कितने प्रकार हैं ? उनके नाम लिखिए।

What are Vrana Parigraha ? Write the types and their name of Nadi Vrana. 10

2. (अ) शल्य की परिभाषा लिखिए ।

Write the definition of Shalya. 5

(ब) अग्नि कर्म विकित्सा विधि के बारे में लिखिए ।

Write about the Agni Karma procedure. 5

(स) अबुद रोग की सम्भासि लिखिए तथा मांसार्दुद का वर्गीकरण व चिकित्सा लिखिए ।

Write the pathogenesis of Arbuda and write down the classification and management of Mansa Arbuda. 10

3. (अ) ग्रन्थि रोग के वर्गीकरण एवं चिकित्सा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए ।

Write down classification and treatment principle of Granthi Roga. 10

(ब) गण्ड माला और अपची में अन्तर स्पष्ट कीजिए तथा अपची का कारण, लक्षण व शल्य चिकित्सा का विस्तृत वर्णन लिखिए ।

Write the clinical differences between Gandamala and Apachi. Describe the causes, signs & symptoms and surgical treatment of Apachi.

10

Roll No.
40 -/-1/2

M-128

February 2018
B. A. M. S. Third Professional Examination

शल्यतन्त्र
प्रथम प्रश्नपत्र (१०५)

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : कोई पाँच प्रश्न हल कीजिये। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड अ

- व्याधि किसे कहते हैं? आगन्तु व्याधियों का निदान एवं चिकित्सा सविस्तार लिखिये।
- यन्त्र एवं शस्त्रों का उभयमतानुसार विशद व्याख्या कीजिये।
- सिरा व्यधिशिकित्सार्द्ध शल्यतन्त्रे प्रकीर्तिः।
यथाप्रणिहितः बस्तिः सम्यग्कायचिकित्सिते ॥
उपर्युक्त सुश्रुतोक्त का सम्बन्ध उल्लेख करते हुए सिराव्याध का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

खण्ड ब

- अष्टविध शस्त्र कर्मों का नामोल्लेख करते हुए भेदन कर्ग (Incision and Drainage) का विस्तृत वर्णन कीजिये।
- संज्ञानाश (Anaesthesia) की परिभाषा, प्रकार, द्रव्य एवं उपद्रवों का वर्णन कीजिये।
- निम्न पर टिप्पणियाँ लिखिये:
(क) USG Scan.
(ख) M. R. I.
(ग) आद्यातज शरीर प्रतिक्रिया।
(घ) विधिवैद्यक दृष्ट्या शल्यशास्त्र स्थिति।
(ड) नासासन्धान विधि (Rhinoplasty)।

4. अस्थि भन के कारण, लक्षण का वर्णन कर अन्तः प्रकोष्ठास्थि तथा प्रकोष्ठास्थि भन के लक्षण व चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

Describe the common causes, sign & symptoms of Fracture of Elaborate in detail the sign & symptoms and principle of management of Fracture of Luna and Radius.

20

5. (अ) वृक्क विद्धि एवं वृक्काशमरी में अन्तर स्पष्ट करते हुए वृक्काशमरी की चिकित्सा लिखिए।

Differentiate between Abscess of Kidney and Calculus of Kidney. Explain the principle of treatment of Renal Calculus.

10

(ब) अन्न द्रव शूल व परिणाम शूल में अन्तर स्पष्ट कीजिए तथा आमाशय ब्रग के कारण, लक्षण, उपद्रव एवं शल्य चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

Write the clinical differences between Gastric and Duodenal Pain / Ulcer. Describe the causes, symptoms, complications and surgical management of Gastric Ulcer.

10

6. निम्न में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए :

(अ) कोथ ।

(ब) प्लीहा वृद्धि के कारण ।

(स) टी. एन. एम. वर्गीकरण ।

(द) मर्फीज साइन ।

(इ) बोन ग्राफ्टिंग ।

Write short notes on any four of the following :

(a) Gangrene.

5

(b) Causes of Splenomegaly.

5

(c) T. N. M. Classification of Tumour.

5

(d) Murphy's Sign.

5

(e) Bone Grafting.

5

5

February - March 2018
B. A. M. S, Final Year Examination

(New)

RESEARCH METHODOLOGY AND
MEDICAL STATISTICS
(2012 Batch)

Note : All questions are compulsory.

Time 3 Hours] [Max. Marks 50

1. Define Anveshana, Gaveshna, Prayeshana, Anushandhan and Shodha. Define Research according WHO. 10
2. Explain type of Research and need and importance of Research. 10
3. Write short notes on any four of the following :
 - (a) Role of Pramanas as Research Tools.
 - (b) Selection of Topics.
 - (c) DHARA.
 - (d) Concept and Importance of Ethics.
 - (e) Historical Background of Research. 10
4. Write short notes on any four of the following :
 - (a) Collection and presentation of Data in Tabular Form with an example.
 - (b) Define Arithmetic Mean, Median and Mode.
 - (c) Define and uses of Standard Deviation.
 - (d) Explain Probability and Test of Significance.
 - (e) Definition, scope and importance of the Medical Statistics. 20

Roll No.
70 -/-/2/3

M-729

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination



(New)

KAYACHIKITSĀ

Paper II

(2012 Batch)

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

Note : Attempt all questions.

खण्ड अ Section A

1. श्वास रोग की विशेष सम्प्राप्ति, भेद एवं लक्षण लिखते हुए चिकित्सा सूत्र बताइये।
Write down the specific pathogenesis, types, symptoms and treatment principle of Shwas Roga. 15
2. पक्षवध व्याधि की सम्प्राप्ति, लक्षण एवं साध्यासाध्यता बताते हुए सामान्य चिकित्सा सूत्र व चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिये।
Write down the pathogenesis, symptoms and sadhya-sadhyata (prognosis) of pakshavadh.. Also elaborate the general treatment principle and descriptive treatment of it. 15
3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : Write short notes on :
 - (अ) ग्रहणी रोग चिकित्सा (Treatment of Grahani Roga)
 - (ब) एसिड पेप्टिक डिसार्डर (Acid Peptic Disorder)
 - (स) गृध्रसी-चिकित्सा सूत्र (Gridhrasi - Treatment Principle)
 - (द) मायोस्थिनीया ग्रेविस (Myasthenia Gravis). 20

खण्ड ब्र Section B

1. अतिसार रोग के निदान, पूर्वरूप व भेद लिखते हुए चिकित्सा सूत्र का वर्णन कीजिए।
Write down the causes, premonitory symptoms, types and treatment principle of Atisara roga. 15
2. उन्माद व अपस्मार में अन्तर बताते हुए उन्माद रोग के भेद व चिकित्सा का सविस्तार वर्णन कीजिए।
Write difference between unmada and apasmara. Describe in detail about the types and treatment of unmada. 15

6. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : Write short notes on :

- (अ) डायबिटीज मैलीटस - टाईप, सिम्प्टम्स
Diabetes Mellitus - Types, Symptoms
- (ब) स्थौल्य - चिकित्सा सिद्धान्त Sthoulya - Treatment Principle
- (ग) आचार रसायन Achara Rasayana
- (द) अतत्वाभिनिवेश Attatavabhinivesha.

M-683

Roli No.
30 -/-/3

February 2018
B. A. M. S. IIIrd Year Examination
Batch (2010-11)
(New)
PANCHKARMA

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

1. पूर्वकर्म, प्रधानकर्म, पश्चात् कर्म इन मुदतों के आधार पर विरेचन कर्म का सविस्तार वर्णन कीजिए। 20
2. वमन योग्य-अयोग्य स्पष्ट करते हुए, वमन व्यापदों का सविस्तार वर्णन कीजिए। 20
3. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
(अ) स्नेह बस्ति एवं प्रकार
(ब) स्नेह प्रविचारणाएं
(स) नस्य के प्रकार
(द) संकर स्वेद 20
4. तघु उत्तर द प्रश्न : Short answer questions :
(अ) विरेचन कर्म किन रूपणों में नहीं करना चाहिए
(ब) 'निरन्ती स्वेद' का वर्णन कीजिए
(स) 'निर्विष जलौका' का वर्णन कीजिए
(द) बस्ती पुटक के दोष कौन से हैं ? स्पष्ट कीजिए। 20
5. सर्वाकरण लिखिए :
(अ) 'तमके तु विरेचने !'
(ब) वमन कार्मुकता (Mode of action of Vamana)
(स) त्रिविध कर्म
(द) गुनेह प्रकार। 20

Roll No.
70 -/-/2/3

M-730

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
PANCHKARMA
(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Mark. 100]

Note : All questions are compulsory.

Roll No.
40 -/-1/2

M-123

February 2018
B. A. M. S. Third Professional Examination

(Batch 2008)

काय चिकित्सा

KAYA-CHIKITSA

(With Modern Medicine)

Second Paper

Time 3 Hours]

[Max. Marks. 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. श्वास रोग का निदान, सम्प्राप्ति, पूर्वरूप, भेद एवं चिकित्सा का विस्तार से वर्णन कीजिए । 20
2. प्रमेह ग्रेा का नेदान, सम्प्राप्ति, भेद, पूर्वरूप एवं चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिए । 20
3. वातरक्त का निदान, सम्प्राप्ति, भेद एवं चिकित्सा का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20
4. ग्रहणी रोग एवं ग्रहणी दोष का वर्णन करते हुए ग्रहणी रोग के निदान, पूर्वरूप, भेद एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए । 20
5. पाण्डु रोग के निदान, सम्प्राप्ति, भेद एवं आधुनिक मतानुसार तथा आयुर्वेदीय मतानुसार चिकित्सा का वर्णन कीजिए । 20
6. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) कुम्भ कामला ।
(ख) शीतपित्त ।
(ग) अनाह ।
(घ) अलसक ।
(ङ) आध्मान । 20

Roll No.
30 -/-/3

✓ M-675

February 2018
B. A. M. S. IIIrd Year Examination
(New) (Batch 2010-11)
KAYA CHIKITSA - III
काय चिकित्सा - III

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भाग अ

1. अवबाहुक एवं विश्वाची में अंतर बताते हुए, गृधसी का सविस्तार वर्णन कीजिए। 15
2. निम्न पर संक्षिप्त में लिखिए :
(अ) Gullian Barrie Syndrome.
(ब) Muscular Dystrophy.
(स) उरुस्तम्भ ।
(द) कम्पवात (Parkinson's Disease) । 20
3. Hypothyroidism के complication लिखते हुए, Cretinism और Myxedema का वर्णन कीजिए। 15

भाग ब

1. मद और मदात्यय में अंतर बताते हुए, उभयमतानुसार मद की चिकित्सा सविस्तार लिखिए। 10
2. निम्न के संक्षिप्त में लक्षण, कारण एवं चिकित्सा लिखिए :
(अ) कण्डू ।
(ब) Swine Flu.
(स) Measles.
(द) Mumps. 20
3. Myocardial Infarction एवं Acute Haemorrhage का वर्णन करते हुए आधुनिक मतानुसार व्यवस्था लिखिए। 20

Roll No.
40 -/-1/2

M-674

February 2018
B. A. M. S. III Year Examination

(New) (Batch 2010-11)

KAYA CHIKITSA - II
काय चिकित्सा - II

Time 3 Hours] [Max. Marks: 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. कास एवं श्वास के विभेदक लक्षण लिखते हुए श्वास के भेद, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिये। 20
2. पाण्डु एवं कामला रोग के विभेदक लक्षण लिखते हुए पाण्डु रोग के भेद, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिये। 20
3. मूत्रकृच्छ्र एवं मूत्राधात रोग के विभेदक लक्षण लिखते हुए अशमरी के भेद, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिये। 20
4. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:
(अ) Osteoporosis.
(ब) Cystitis.
(स) Gonorrhoea.
(द) Diabetes Mellitus. 20
5. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:
(अ) प्रवाहिका रोग के लक्षण एवं चिकित्सा।
(ब) अर्श रोग की चिकित्सा।
(स) छर्दि रोग की चिकित्सा।
(द) Hypertension. 20

Roll No.
30 -/-/3

M-124

February 2018

B. A. M. S. Third Professional Examination

(Old) (Batch 2008-09)

काय चिकित्सा

KAYA-CHIKITSA

Third Paper

Time 3 Hours)

[Max. Marks 100]

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Roll No.
30 -/-/3

M-125

February 2018

बी. ए. एम. एस. तृतीय व्यावसायिक परीक्षा

(Batch 2008-09)

(Old)

काय चिकित्सा

(KAYA CHIKITSA)

Fourth Paper

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : कोई भी पाँच प्रश्न हल कीजिये । सर्वी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वमन कर्म विधि का (पूर्वकर्म, प्रधानकर्म, पश्चात् कर्म) इन मुद्दों के आधार पर सविस्तार वर्णन कीजिए । 20
2. बस्ति के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करते हुए, बस्ति नेत्र के दोषों का वर्णन कीजिए । 20
3. नस्य के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करते हुए, नसा कर्म विधि एवं नस्य कार्मुकता का वर्णन कीजिए । 20
4. विरेचन योग्य-अयोग्य का वर्णन करते हुए, विरेचन कार्मुकता स्पष्ट कीजिए । 20
5. रसायन परिभाषा तथा रसायन प्रकारों का वर्णन करते हुए, रसायन चिकित्सा के पूर्व पंचकर्म चिकित्सा की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए । 20
6. टिप्पणी लिखिए :
 - (अ) वाजीकरण परिभाषा एवं प्रशस्त शुक्र लक्षण (गुण)
 - (ब) आचार रसायन
 - (स) स्नेह प्रकार
 - (द) निरग्नी स्वेद । 20

✓

Roll No.
30 -/-/3

M-728

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
KAYACHIKITSA
Paper I
(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

1. Haemolytic Disorder क्या है ? समझाते हुए रक्तपित्त व्याधि का निदान, संप्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा बताइये । 20
2. दोषों की क्षय वृद्धि जन्य अवस्था का रोगोत्पत्ति कर्तृत्व बताते हुए उसकी चिकित्सा और ओजोव्यापत को समझाइये । 20
3. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए :
(अ) औषध सेवन काल एवं उसकी वैज्ञानिकता ।
(ब) दोष प्रत्यनीक एवं व्याधि प्रत्यनीक चिकित्सा सिद्धांत ।
(स) तीव्र ज्वर की आत्यधिक एवं सामान्य चिकित्सा ।
(द) Alzheimer's disease and its Ayurvedic Management. 20
4. निम्नलिखित व्याधियों का चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का उल्लेख करते हुए पथ्यापथ्य पर प्रकाश डालिये :
(अ) कामला एवं कुम्भकामला ।
(ब) आमवात । 20
5. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिये :
(अ) कुछ एवं विसर्प ।
(ब) लघु मसूरिका एवं रोमान्तिका [Chicken Pox and Measles] ।
(स) दोष प्रत्यनीक एवं व्याधि प्रत्यनीक ।
(द) आमवात वातरक्त । 20

Roll No.
70 -/-/2/3

M-729

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
KAYACHIKITSA
Paper II
(2012 Batch)

Time 3 Hours]

[Max. Marks: 100]

Note : Attempt all questions.

खण्ड अ Section A

1. श्वास रोग की विशिष्ट सम्प्राप्ति, भेद एवं लक्षण लिखते हुए चिकित्सा सूत्र बताइये।
Write down the specific pathogenesis, types, symptoms and treatment principle of Shwas Rog. 15
2. पक्षवध व्याधि की सम्प्राप्ति, लक्षण एवं साध्यासाध्यता बताते हुए सामान्य चिकित्सा सूत्र व चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिये।
Write down the pathogenesis, symptoms and sadhyasadyata (prognosis) of pakshavadh. Also elaborate the general treatment principle and descriptive treatment of it. 15
3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : Write short notes on :
(अ) ग्रहणी रोग चिकित्सा (Treatment of Grahani Rog)
(ब) एसिड पेप्टिक डिसार्डर (Acid Peptic Disorder)
(स) गृध्रसी-चिकित्सा सूत्र (Gridhrasi - Treatment Principle)
(द) मायेस्थिनीया ग्रेविस (Myasthenia Gravis). 20

खण्ड ब Section B

1. अतिसार रोग के निदान, पूर्वरूप व भेद लिखते हुए "चिकित्सा सूत्र" का वर्णन कीजिए।
Write down the causes, premonitory symptoms, types and treatment principle of Atisara roga. 15
2. उन्माद व अपस्मार में अन्तर बताते हुए उन्माद रोग के भेद व चिकित्सा का सविस्तार वर्णन कीजिए।
Write difference between unmad and apasmara. Describe in detail about the types and treatment of unmad. 15

6. वाचन रुग्णों को लिए। Write short notes on :

(प) डायबिटीज मेल्टिस - टाईप, सिम्पटन्स

Diabetes Mellitus - Types, Symptoms

(व) स्थूल्य - चिकित्सा सिद्धान्त Sthoulya - Treatment Principle

(म) आचार रसायन Achara Rasayana

(इ) अतत्वाभिनिवेश Attatavabhinivesha.

2(

10/3

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
SHALAKYA TANTRA
Paper I
(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

February - March 2018
B. A. M. S. IIIrd Professional Examination
Batch (2010)
SHALAKYA TANTRA - I

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

नोट : कोई पाँच प्रश्न हल करना है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. नेत्र रोगों के सामान्य निदान, पूर्वरूप, रूप एवं सम्प्राप्ति का वर्णन कीजिए। 20
2. संधिगत रोगों की संख्या व नाम लिखते हुए पूयालस (Dacryocystitis) रोग का प्राचीन एवं अवर्तीन मत से वर्णन कीजिए। 20
3. निम्न में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
 - (अ) Trachoma 5
 - (ब) वेत्र का पांच भौतिकत्व 5
 - (स) Chalazion 5
 - (द) आचार्य निमि 5
 - (इ) Sub Conjunctival Haemorrhage. 5
4. कृष्णगत रोगों की संख्या एवं नाम लिखते हुए सब्रणशुक्ल (Corneal Ulcer) रोग को उभयमतानुसार समझाइए। 20
5. दृष्टिगत रोगों की संख्या व नाम लिखते हुए आयुर्वेद मत से तिमिर रोग के प्रकार, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 20
6. निम्न में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
 - (अ) रोफ़-आश्चर्योत्तन 5
 - (ब) अंजनकर्म 5
 - (स) Retinitis Pigmentosa 5
 - (द) Ocular Trauma 5
 - (इ) अभिष्ठन्द रोग की सामान्य चिकित्सा। 5

February - March 2018

B. A. M. S. Third Professional Examination

शालाक्य तन्त्र
द्वितीय प्रश्नपत्र

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. शिरोरोगों का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए Migrain को समझाइए । (लक्षण, चिकित्सा सहित व्याख्या कीजिए ।) 20
2. (अ) Nasal Foreign Body की सिद्धान्त अनुसार चिकित्सा विधियाँ लिखते हुए वर्णन कीजिए । 10
3. मुख रोगों की संख्या लिखते हुए ओष्ठ रोग की लक्षण, चिकित्सा एवं दन्तमूल गत रोगों की लक्षण, चिकित्सा लिखिए । 20
4. कर्ण शारीर का वर्णन करते हुए, कर्म परीक्षा विस्तार से लिखिए । 20
5. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
 - (अ) खण्डओष्ठ ।
 - (ब) Malignancy of Oral Cavity.
 - (स) कवल / गण्डूप ।
 - (द) कर्ण पूरण । 20
6. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
 - (अ) नस्य की कार्मुकता शिरोरोग में ।
 - (ब) शिरोधारा ।
 - (स) मुखपाक ।
 - (द) खालीत्य / पालीत्य । 20

Roll No.
70 -/-2/3

M-734

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination

(New)

SHALAKYA TANTRA

Paper II

(2012 Batch)

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

1. नासा शारीर (Anatomy of Nose and Paranasal Sinuses) का विस्तृत वर्णन कीजिए। 15
2. शिर का उत्तमांगत्व सिद्ध करते हुए सूर्यावर्त रोग का निदान, लक्षण एवं चिकित्सा का सविस्तार वर्णन कीजिए। 15
3. मुखरोग का सामान्य निदान लिखते हुए रोहिणी रोग का प्राचीन एवं अवाचीन मतानुसार वर्णन कीजिए। 15
4. कर्ण रोगों की संख्या एवं नाम लिखते हुए कर्ण परीक्षण (Examination of the Ear) का विस्तृत वर्णन कीजिए। 15

5. लघु उत्तरीय प्रश्न :

- (अ) कवल-गण्डूष।
- (ब) नासागत रक्तपित्त।
- (स) Differential diagnosis and treatment of Migraine.
- (द) दन्तवेष्ट।
- (इ) सर्वसर मुखपाक।
- (फ) National Programme for Prevention and Control of Deafness.
- (ज) खण्डोष।
- (झ) Tonsilitis.

40

No.
-/-/3

M-126

February - March 2018
B. A. M. S. Third Professional Examination

शालक्यतन्त्र - I
EYE

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

- | | |
|--|----|
| 1. नेत्र शारीर (Anatomy of Eye) का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्णन कीजिये । | 20 |
| 2. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये : | |
| (अ) शालक्यतन्त्र का इतिहास | 5 |
| (ब) नेत्र रोग का सामान्य निदान | 5 |
| (स) नेत्रक्षाव | 5 |
| (द) अंजननामि ता | 5 |
| (इ) Tonometer. | 5 |
| 3. शुक्लगत रोगों की संख्या एवं नाम लिखते हुए 'अम' का निदान, लक्षण, संप्राप्ति एवं चिकित्सा का प्राचीन एवं अर्वाचीन मतानुसार वर्णन कीजिये । | 20 |
| 4. 'क्रियाकल्प' का विस्तृत वर्णन कीजिये । | 20 |
| 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये : | |
| (अ) अथिष्ठन्द | 5 |
| (ब) तिमिर | 5 |
| (स) कुपोषण जन्य नेत्र रोग | 5 |
| (द) अक्षिपाकात्यय | 5 |
| (इ) Myopia. | 5 |

Roll No.
40 -/-1/2

M-677

February 2018
B. A M. S. III Year Examination
Batch (2010)
SHALKYA TANTRA - II

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. शिरोरोग का विस्तार से निदान, लक्षण, चिकित्सा लिखते हुए वर्णन कीजिए। 20
2. कर्णस्वाव से आप क्या समझते हैं? आधुनिक एवं आयुर्वेदानुसार लक्षण तथा चिकित्सा लिखकर वर्णन कीजिए। 20
3. निम्न पर टिप्पणी लिखिए:
(a) Pyrrhea.
(b) Epistaxis.
(c) Apthous Ulcer.
(d) DNS. 20
4. नासा शारीर लिखते हुए आयुर्वेद अनुसार नासागत रोग संख्या लिखकर प्रतिश्याद एवं Rhinnitis का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 20
5. मुख रोगों से आप क्या समझते हैं? उनके आयतन और रोग संख्या, नाम बताते हुए दन्त रोगों का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20
6. निम्न पर टिप्पणी लिखिए:
(अ) कवल / गण्डूष में अन्तर एवं प्रयोग विधि बताइए।
(ब) नस्य।
(स) रक्तमोक्षण।
(द) शिरोधारा। 20

No.
-/-/3

M-676

February - March 2018
B. A. M. S. IIIrd Professional Examination
Batch (2010)
SHALAKYA TANTRA - I

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : कोई पाँच प्रश्न हल करना है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. नेत्र रोगों के सामान्य निदान, पूर्वस्थिति, रूप एवं सम्प्राप्ति का वर्णन कीजिए। 20
2. संधिगत रोगों की संख्या व नाम लिखते हुए पूयालम (Dacryocystitis) रोग का प्राचीन एवं अव्वाचीन मत से वर्णन कीजिए। 20
3. निम्न में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
(अ) Trachoma 5
(ब) देत्र का पांच गैतिकत्व 5
(स) Chalazion 5
(द) आचार्य निमि 5
(इ) Sub Conjunctival Haemorrhage. 5
4. कृष्णगत रोगों की संख्या एवं नाम लिखते हुए सब्रणशुक्ल (Corneal Ulcer) रोग को उभयमतानुसार समझाइए। 20
5. दृष्टिगत रोगों की संख्या व नाम लिखते हुए आयुर्वेद मत से तिमिर रोग के प्रकार, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 20
6. निम्न में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
(अ) सेवा-आशयोत्तन 5
(ब) अंजनकर्म 5
(स) Retinitis Pigmentosa 5
(द) Ocular Trauma 5
(इ) अभिष्यन्त रोग की सामान्य चिकित्सा। 5

Roll No.
40 -/-1/2

M-677

February 2018
B. A. M. S. III Year Examination
Batch (2010)
SHALKYA TANTRA - II

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100]

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. शिरोरोग का विस्तार से निदान, लक्षण, चिकित्सा लिखते हुए वर्णन कीजिए । 20
2. कर्णस्त्राव से आप क्या समझते हैं ? आधुनिक एवं आयुर्वेदानुसार लक्षण तथा चिकित्सा लिखकर वर्णन कीजिए । 20
3. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
 - (a) Pyrrhea.
 - (b) Epistaxis.
 - (c) Apthous Ulcer.
 - (d) DNS.20
4. नासा शारीर लिखते हुए आयुर्वेद अनुसार नासागत रोग संख्या लिखकर प्रतिश्याय एवं Rhinnitis का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । 20
5. मुख रोगों से आप क्या समझते हैं ? उनके आयतन और रोग संख्या, नाम बताते हुए दन्त रोगों का विस्तृत वर्णन कीजिए । 20
6. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
 - (अ) कवल / गण्डूष में अन्तर एवं प्रयोग विधि बताइए ।
 - (ब) नस्य ।
 - (स) रक्तमोक्षण ।
 - (द) शिरोधारा ।20

Roll No.
70 -/-2/3

M-734

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination

(New)

SHALAKYA TANTRA

Paper II

(2012 Batch)

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

1. नासा शारीर (Anatomy of Nose and Paranasal Sinuses) का विस्तृत वर्णन कीजिए। 15
2. शिर का उत्तमांगत्व सिद्ध करते हुए सूर्यावर्त रोग का निदान, लक्षण एवं चेकित्ता का सविस्तार वर्णन कीजिए। 15
3. मुखरोग का सामान्य निदान लिखते हुए रोहिणी रोग का प्राचीन एवं अवर्चीन मतानुसार वर्णन कीजिए। 15
4. कर्ण रोगों की संख्या एवं नाम लिखते हुए कर्ण परीक्षण (Examination of the Ear) का विस्तृत वर्णन कीजिए। 15
5. लघु उत्तरीय प्रश्न :
(अ) कवल-गण्डि ।
(ब) नासागत रख अप्ति ।
(स) Differential diagnosis and treatment of Migraine.
(द) दन्तवेष्ट ।
(इ) सर्वसर मुखपाक ।
(फ) National Programme for Prevention and Control of Deafness.
(ज) खण्डोष ।
(झ) Tonsilitis. 40

Roll No.
70 -/-2/3

M-73

February 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
SHALAKYA TANTRA
Paper I
(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

M-733

Roll No. 162

120 -/1/2/3

August - September 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
SHALAKYA TANTRA
Paper I
(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

1. पूयालस और उपनाह का निदान, लक्षण एवं चिकित्सा सहित सचित्र वर्णन कीजिए। 20
2. अर्म के निदान, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन प्राचीन एवं आधुनिक मतानुसार कीजिए। 20
3. अभिष्यन्द और अधिमंथ में अन्तर स्पष्ट करते हुए अधिमंथ का परीक्षण एवं उसकी चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20
4. परावर्तन जन्य त्रुटियां क्या हैं ? उनकी उत्पत्ति के कारणों का वर्णन करते हुए मायोपिया (Myopia) का वर्णन कीजिए। 20
5. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(अ) तिमिर 5
(ब) तर्पण 5
(स) टोनोमीटर (Tonometer) 5
(द) अर्जुन 5

M-734

Roll No.
120 -/1/2/3

August - September 2018
B. A. M. S. Final Year Examination

(New)

SHALAKYA TANTRA

Paper II

(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

Note : All questions are compulsory.

1. शिरोरोग की संख्या, सम्प्राप्ति, निदान, लक्षण, चिकित्सा उपद्रव एवं साध्य-असाध्यता लिखते हुए "Headache" का निदान, वर्गीकरण एवं चिकित्सा लिखिए । 20
2. कर्ण रचना एवं क्रिया शारीर को संक्षेप में लिखते हुए कर्णस्त्राव पर आयुर्वेदिक एवं आधुनिक विज्ञान अनुसार वर्णन एवं चिकित्सा लिखिए । 20
3. नासा रचना समझाते हुए प्रतिश्याय का विस्तृत वर्णन कीजिए । 20
4. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
(अ) सर्वसर मुख रोग ;
(ब) नस्य ।
(स) Pyorrhoea.
(द) गिलाम्यु ।
(इ) बाधिय । 20
5. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :
(अ) कृमिदन्त ।
(ब) Ear Examination (Basic).
(स) Tinnitus.
(द) DNS.
(इ) Name and uses of any 5 instruments used in ENT. 20

M-731

Roll No.
120 -/1/2/3

August - September 2018
B. A. M. S. Final Year Examination

(New)

SHALYA TANTRA

Paper I

(2012 Batch)

Time 3 Hours]

[Max. Marks 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

भाग अ

- | | |
|---|----|
| 1. यंत्र की निरूक्ति, संख्या, प्रकार, गुण, कर्म एवं दोषों का विस्तृत वर्णन कीजिए। | 20 |
| 2. रक्तस्त्राव (Haemorrhage) के प्रकार एवं लक्षणों का वर्णन कीजिए। | 10 |
| 3. Spinal Anaesthesia (स्पाइनल एनास्थेशिया) का वर्णन कीजिए। | 10 |
| 4. क्षार के गुण, दोष एवं निर्माण विधि का वर्णन कीजिए। | 10 |

भाग ब

- | | |
|--|----|
| 1. ब्रण की परिभाषा, भेद एवं चिकित्सा (ब्रण उपक्रमों) का विस्तृत वर्णन कीजिए। | 20 |
| 2. षटक्रियाकाल का शल्य चिकित्सा में महत्व समझाइए। | 10 |
| 3. संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए : (कोई चार) | |
| (अ) Abscess (विद्रधि) | 5 |
| (ब) Gangrene (कोथ) | 5 |
| (स) Burn (दाघ) | 5 |
| (द) Varicose Vein | 5 |
| (इ) Goitre. | 5 |

M-732

Roll No. 162
120 -/1/2/3

August - September 2018
B. A. M. S. Final Year Examination

(New)

SHALYA TANTRA

Paper II

(2012 Batch)

[Max. Marks 100
Time 3 Hours]

Note : All questions are compulsory.

भाग अ

- | | |
|---|-----------------------|
| 1. अर्श की परिभाषा, निदान, भेद एवं चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिये । | 20 |
| 2. संधि मोक्ष (Dislocation of Joint) का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्णन कीजिए । | 10 |
| 3. संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए : (कोई चार)
(अ) Breast Abscess (स्तनविद्रधि)
(ब) Colles Fracture (कोलिस फ्रेक्चर)
(स) गुद भ्रंश (Rectal Prolapse)
(द) Congenital Hypertrophic Pyloric Stenosis
(इ) Peri Anal Abscess. | 5
5
5
5
5 |

भाग ब

- | | |
|---|-----------------------|
| 1. पित्ताशय अश्मरि (Cholelithiasis) का निदान, लक्षण एवं चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिए । | 20 |
| 2. Portal Hypertension का वर्णन कीजिए । | 10 |
| 3. संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए : (कोई चार)
(अ) Benign Enlargement of Prostate
(ब) मूत्राश्मरि
(स) Liver Abscess
(द) निरुद्ध प्रक्षा (Phimosis)
(इ) Hydromephrosis. | 5
5
5
5
5 |

M-729

Roll No.
120 -/1/2/3

August - September 2018
B. A. M. S. Final Year Examination

(New)

KAYA CHIKITSA

Paper II

(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड अ

1. हिक्का एवं श्वास की सम्प्राप्ति, लक्षण तथा चिकित्सा लिखते हुए COPDs की विस्तार से विवेचना कीजिए। 20
2. अन्नवह स्रोतस की मुख्य व्याधियों के नाम लिखते हुए ग्रहणी एवं अम्लपित्त का निदान, लक्षण, चिकित्सा तथा Acid peptic disorder का उल्लेख कीजिए। 20
3. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(अ) मायस्थीनिया ग्रेविस (Myasthenia Gravis) ।
(ब) कम्पवात की आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा ।
(स) गृष्मसी के लक्षण तथा चिकित्सा ।
(द) जलोदर की सम्प्राप्ति एवं चिकित्सा । 20

खण्ड ब

4. रसायन की निष्क्रिति, परिभाषा एवं प्रकार लिखते हुए व्याधिक्षमत्व में रसायन की उपादेयता स्पष्ट कीजिए। 20
5. स्थौल्य एवं मधुमेह के निदान एवं चिकित्सा लिखते हुए Dyslipidaemia का वर्णन कीजिए। 20
6. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(अ) Osteoarthritis के लक्षण एवं चिकित्सा ।
(ब) Nephrotic Syndrome.
(स) अतिसार एवं प्रवाहिका में भेद तथा चिकित्सा ।
(द) बाजीकरण के प्रकार एवं उपयोगिता । 20

-/1/2/3

Roll No.162.....
120 -/1/2/3

M-730

August - September 2018
B. A. M. S. Final Year Examination
(New)
PANCHKARMA
(2012 Batch)

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

नोट : कोई पाँच प्रश्न हल करना है।

1. निरूह वस्ती के व्यापद लिखते हुये, बनाने की विधि का सविस्तार वर्णन कीजिये। 20
2. नस्य के योग्यायोग्य का वर्णन करते हुये नस्य की विधि का सविस्तार वर्णन कीजिये। 20
3. मदनफल संग्रह विधि का वर्णन करते हुये वमन विधि एवं व्यापदों का वर्णन कीजिये। 20
4. विरेचन के योग्यायोग्य, व्यापद का वर्णन करते हुये विरेचन कल्पों का वर्णन कीजिये। 20
5. मूर्ध तैव के प्रकारों का वर्णन करते हुये इनकी विधियों का सविस्तार वर्णन कीजिये। 20
6. किन्हीं पांच पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :
(अ) पत्र पिण्ड स्वेदन 4
(ब) जलौक्यवचारण 4
(स) Importance of Physiotherapy 4
(द) शिरानेध 4
(इ) शामेन रनेह 4
(फ) मात्रा वस्ती । 4

⇒ Lok D.

Roll No.: 111223

Total No. of Questions : 6]

[Total No. of Printed Pages]

MFS-316

B.A.M.S. IV Prof. Examination 2017

KAYACHIKITSA

Paper - I

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

Note : All questions are compulsory.

भाग - अ / Part - A

- Q.1. धातु प्रदोषज विकारों का चिकित्सा सूत्र लिखते हुए धातुओं की क्षय-वृद्धि के लक्षण बताइये।

Write down the chikitsa sutra of Dhatupradoshaj vikara and write the Kshaya-vridddhi Lakshanans of Dhatus.

- Q.2. आवरण शब्द से आप क्या समझते हैं? लिखते हुए अन्योन्यावरण के कारण, लक्षण तथा आवरण का सामान्य चिकित्सा सिद्धात बताइये।

15

What do you understand by the term Avarana? Write down the causes and symptoms of Anonya-Avarana as well as general principles of treatment of Avarana?

(2)

Q.3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

20

- अ) मानस रोगों का सामान्य चिकित्सा सिद्धांत
- ब) द्विविध उपक्रम
- स) ओजो व्यापत्
- द) रोगी परीक्षा सिद्धांत

Write short notes on:

- a) General principles of treatment of Manas Roga
- b) Dwividh Upakarma
- c) Ojo Vyapat
- d) Principles of patient examination

भाग - ब / Part - B

Q.4. नव ज्वर, तरुण ज्वर एवं सन्निपातज ज्वर का चिकित्सा सूत्र बताते हुए सन्निपातज ज्वर के रोगी हेतु व्यवस्था पत्र का निर्माण कीजिए। 15

Write treatment principles for Nava Jwar, Tarun Jwar and Sannipataj Jwar make Vyavastha patra for a patient of Sannipataj Jwar.

Q.5. राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम से आप क्या समझते हैं, लिखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा चिह्नित ट्यूबरक्लोसिस एवं लेप्रोसी हेतु उक्त कार्यक्रम अंतर्गत चिकित्सा बताइये। 15

Describe national health programme. Write management of tuberculosis and leprosy as enlisted by world health organization.

(3)

Q.6. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

2

- अ) तीव्र रक्तस्राव - आत्ययिक चिकित्सा
- ब) वातरक्त-चिकित्सा सिद्धांत
- स) अवटुक ग्रन्थि विकार
- द) डेंगू ज्वर चिकित्सा

Write short note on the following

- a) Acute Haemorrhage - Emergency Treatment
- b) Treatment principles of vatarakta
- c) Disorders of thyroid gland
- d) Treatment of Dengue fever



Roll No.: ...11142...111

Total No. of Questions : 8]

[Total No. of Printed Pages : 3]

MFS-317

B.A.M.S. IV Prof. Examination 2017 KAYA CHIKITSA

Paper - II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोट: सभी प्रश्न हल करें।

Note : All questions are compulsory.

भाग - अ / Part - A

Q.1. राजयक्षमा एवं श्वास रोग के चिकित्सा सूत्र के साथ चिकित्सा वर्णन करें।

Describe the Chikitsa Sutra and Management of the disease
Raj Yakshma and Swāsa .

Q.2. शोथ एवं जलोदर रोग का चिकित्सा सूत्र के साथ चिकित्सा वर्णन करें।

Describe the chikitsa sutra and management of the disease
Sotha and Jalodar.

Q.3 वात व्याधि के चिकित्सा सूत्र के साथ पक्षाघात एवं अर्दित रोग का चिकित्सा वर्णन करें। 10

Describe the Chikitsa sutra of vāta vyādhi along with the management of the disease pakshāghat and Ardit.

Q.4 टिप्पणियाँ लिखिए: $4 \times 5 = 20$

- अ) इलेक्ट्रोलाईट इम्बालान्स
- ब) विसुचिका का चिकित्सा
- स) उरस्तम्भ चिकित्सा
- द) एम्फाइसेमा

Write short note on:

- a) Electrolyte Imbalance
- b) Management of Visuchika
- c) Management of Urustambha
- d) Emphysema

भाग - ब / Part - B

Q.5 अस्थि एवं मज्जावह स्रोतस् व्याधिओं को चिकित्सा सूत्र के साथ संधिगत वात की चिकित्सा वर्णन करें। 10

Describe chikitsa sutra of Asthi and Majjāvah srotos diseases along with the management of sandhigat vat.

(3)

Q.6. स्थौल्य एवं काश्यरोग का चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा वर्णन करें।

Describe the chikitsa sutra and management of the disease
sthaulya and kārsya .

Q.7. उम्माद एवं अपस्मार रोग के निदान एवं चिकित्सा वर्णन करें। 10

Describe the Nidāna and Chikitsā of the disease unmād
and Aposmar.

Q.8. टिप्पणियाँ लिखिए: 4×5=20

- अ) मेध्य रसायन
- ब) अतत्वाभिनिवेश
- स) फिरंग एवं पूयमेह चिकित्सा
- द) वाजीकरण द्रव्य के प्रकार

Write short note on:

- a) Medhya Rasāyan
- b) Atattwābhinivesh
- c) Management of Phiranga and Puyameha
- d) Types of vājikaran dravya



रेनल कॉलिक क्या होता है

(स) तीव्र वृक्क शूल-आत्ययिक चिकित्सा

Acute Renal colic-Emergency Management

(द) आन्त्रिक ज्वर चिकित्सा

Treatment of Enteric (Typhoid) Fever.

R.K.D

Roll No. 195367

Total No. of Questions : 6]

[Total No. of Printed Pages : 4

**B.A.M.S. IVth Professional
Examination, 2017**

MF-316

KAYA CHIKITSA

Paper : I

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

खण्ड (क)

1. चिकित्सा के प्रकारों की विस्तृत विवेचना करते हुए चिकित्सा में षड्विध क्रियाकाल का महत्व प्रतिपादित कीजिये।

Write in detail about the various types of chikitsa.

Write down the significance of shadvidh kriyakal in chikitsa.

SO-316

(1)

Turn Over

2. षड्विध उपक्रमों का वर्णन करते हुए लंघन-अपतर्पण तथा ब्रह्मण-संतर्पण में अन्तर बताइये।

Give description of shadhwidh upkrama. Write difference between Langhan-Apatarpan and Brihana-santarpan.

15

3. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए—

Write short notes on the following :

(अ) सामान्यजन एवं नानात्मज विकार

Samanyaj and Nanatamaj Vikara

(ब) औषध सेवन काल

Aushadh sevan kala

(स) आम दोष चिकित्सा सूत्र

Chikitsa Sutra of Aam dosha

(द) रोगी परीक्षा सिद्धान्त

Rogi Pariksha Siddhanta.

20

SO-316

(2)

खण्ड (ख)

4. निज ज्वर का चिकित्सा सूत्र एवं सामान्य चिकित्सा सिद्धान्त बताते हुए सन्निपातज ज्वर का चिकित्सा सूत्र लिखिए।

Write chikitsa sutra and samanaya chikitsa siddhanta of Nija Jwar. Also write chikitsa sutra of sannipataj Jwar.

15

5. आमवात रोग के सामान्य लक्षण लिखते हुए इसका चिकित्सा सिद्धान्त तथा रूमेटाइड आर्थराइटिस से साम्यता प्रतिपादित कीजिये।

Write down the common symptoms of Aamvata with its treatment principles signify the correlation of Aamvata with Rhuematoid Arthritis.

15

6. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए—

Write short notes on the following :

(अ) ऑटो इम्यून डिसऑर्डर

Auto Immune disorder

(ब) योग चिकित्सा सिद्धान्त

Treatment principles of Yoga

SO-316

(3)

Turn Over

Write short notes on :

- (i) Management of Asthikshaya
- (ii) Management of Shukra Dosha
- (iii) Management of Arsha
- (iv) Chikitsa sutra of Manas Rog.

Roll No. ... 105860 ...

Total No. of Questions : 8]

[Total No. of Printed Pages : 4

**B.A.M.S. IVth Professional Examination,
2017**

MF-317

**KAYA CHIKITSA
Paper : II**

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

भाग—अ (Part-A)

नोट : सभी प्रश्न हल कीजिए।

All questions are to be attempted.

1. कास एवं श्वास रोग के चिकित्सा युग के साथ चिकित्सा वर्णन कीजिए।

Describe chikitsa sutra and management of the disease
Kasa and Swasa. 10

2. अम्लपित्त एवं अजीर्ण रोग का चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा वर्णन कीजिए।

Describe chikitsa sutra and management of the disease

Amlapitta and Ajirna.

10

✓ 3 आवरण वात की चिकित्सा सूत्र के साथ गृन्धसी एवं विश्वाची रोग का चिकित्सा वर्णन कीजिए।

Describe the chikitsa sutra of Avaran vata along with the management of the disease Gridhrasi and Viswachi.

10

4. टिप्पणियाँ लिखिए—

- (क) ग्रहणी रोग की चिकित्सा
- (ख) भस्मक रोग का चिकित्सा सूत्र
- (ग) मस्क्युलर डिस्ट्रॉफी
- (घ) धातुगत वात का चिकित्सा सूत्र

Write short notes on :

- (i) Management of Grahani Rog
- (ii) Chikitsa sutra of Bhasmaka Rog
- (iii) Muscular dystrophy
- (iv) Chikitsa Sutra of Dhatugat vata.

4×5=20

भाग-ब (Part-B)

नोट : सभी प्रश्न हल कीजिए।

All questions are to be attempted.

5. अतिसार एवं प्रवाहिका रोग का चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा वर्णन कीजिए।

Describe the chikitsa sutra and chikitsa of the disease Atisara and Pravahika. 10

6. प्रमेह रोग के चिकित्सा सूत्र के साथ मधुमेह का चिकित्सा वर्णन कीजिए।

Describe the chikitsa sutra of Prameha rog and management of Madhumeha. 10

7. रसायन की परिभाषा एवं उसके प्रकार का वर्णन कीजिए।

Describe the definition and classification of Rasayan. 10

8. टिप्पणियाँ लिखिए-

(क) अस्थि क्षय चिकित्सा

(ख) शुक्र दोष चिकित्सा

(ग) अर्श चिकित्सा

(घ) मानस रोग चिकित्सा सूत्र

Roll No. 14278023....

Total No. of Questions : 6]

[Total No. of Printed Pages : 3

**MGS-102-A
B.A.M.S. IVth Prof. (New)
Examination, 2018
Kaya Chikitsa
Paper - I**

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट :- सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

Note :- All questions are compulsory.

खण्ड - 'अ'

Section - 'A'

1. कायचिकित्सा पद की निरूपित एवं परिभाषा लिखिए एवं चिकित्सा में पड़कीयाकाल का महत्व प्रतिपादित करें। 15

Define the word "Kayachikitsa" and write its definition

MGS-102-A

(1)

P.T.O.



and describe the importance of shadkriyakala in treatment.

2. आवरण क्या है ? विस्तृत वर्गीकरण बताते हुए, चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिये। 15

What is "Avaran" ? Write its detail classification, principle of treatment and treatments.

3. संक्षिप्त टिप्पण्याँ लिखिए :- 20

Write short notes on the following :-

- (अ) औषध सेवन काल

Time of administration of medicine.

- (ब) अनुपान

Anupana

- (स) चिकित्सा में अग्नि का महत्व

Importance of Agnic in treatment

- (द) मानस रोगों का चिकित्सा सूत्र

Principle of treatment of Manasa Roga

खण्ड - 'ब'

Section - 'B'

4. वात, पित्त एवं कफ ज्वर का विभेदक लक्षण, चिकित्सा सूत्र एवं विशेष चिकित्सा लिखिए। 15

MGS-102-A

(2)

Write differential diagnosis, principle of treatment and specific treatment of Vat, Pitta and Kaphaja, Jwara.

5. पाण्डु रोग के भेद, लक्षण, चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा लिखिए। 15

Write the types, symptoms, principle of treatment and treatment of Pandu.

6. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :- 20

(अ) डेंगु फिवर

Dengue fever

(ब) तीव्र उदर शूल

Acute abdominal pain

(स) ऑटो इन्नून डिसआर्डर

Auto Immune disorder

(द) योग चिकित्सा

Yoga therapy

+++

Roll No. 142780022

Total No. of Questions : 8]

[Total No. of Printed Pages : 3]

MGS-103

B.A.M.S. IVth Prof. (New)

Examination, 2018

Kaya Chikitsa

Paper - II

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

भाग - 'अ'

Part - 'A'

नोट :- सभी प्रश्न हल कीजिये।

Note :- All questions are to be attempted.

1. शोथ एवं जलोदर रोग के चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा वर्णन कीजिये। 10

Describe Chikitsa Sutra and management of the disease

Shotha and Jalodara.

MGS-103

(1)

P.T.O.

Scanned by Cam

2. ग्रहणी एवं अग्निपित रोग का चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिये। 10

Describe Chikitsa Sutra and Management of the disease
Graharri and Amlapittal.

3. निम्नलिखित वाल व्याधियो के चिकित्सा सिद्धांत एवं चिकित्सा सूत्र का वर्णन
कीजिये। जैसे-अर्दित, कटिग्रह, गृधसी। 10

Principles of Treatment and management of following vat
Vyadhi Such as - Ardita, Katigraha, Gridhrasi.

4. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :- $4 \times 5 = 20$

Write short notes on :-

(अ) राजयक्षमा

Rasayakshma

(ब) विसूचिका

Visuchika

(स) अरुस्तम्भ

Urusthambha

(द) तमकश्वास

Tamak Swasa

भाग - 'ब'

Part - 'B'

नोट :- सभी प्रश्न हल कीजिये।

Note :- All questions are to be attempted.

5. मूत्रकृच्छ, मूत्राघात एवं अश्मरी रोग के चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिये। 10

Describe the Chikitsa sutra and Chikitsa of the disease Mutrakricha, Mutraghata and Ashmari.

6. रसायन की परिभाषा एवं उसके प्रकार का वर्णन कीजिये। 10

Describe the defination and classification of Rasayan.

7. उन्माद, अपस्मार एवं अतत्वाभिनिवेश रोग के निदान एवं चिकित्सा लिखिये। 10

Describe the Nidan and Chikitsa of the disease Unmada, Apasmara and Atattvaphinivesh.

8. टिप्पणी लिखिये :- 4×5=20

Write short notes on :-

(क) संधिगत वात

Sandhigata Vata

(ख) स्थौल्य

Sthaulya

(ग) मधुमेह

Madhumeh

(घ) वाजीकरण

Vajikarana

+++

MGS-103

(3)

Copies 300

Total No. of Questions : 6]

Roll No.: 192299024
[Total No. of Printed Pages : 3]

MG-102 (A)

B.A.M.S. IV Prof. (New)
Examination June 2018

KAYA CHIKITSA

Paper - I

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

Note : All questions are compulsory

खण्ड - अ / Section - A

~~Q.1.~~ "चिकित्सा चतुष्पाद" का वर्णन करते हुए चिकित्सा में षड्क्रियाकाल का महत्व प्रतिपादित कीजिये। 15

Describing "Chikitsa Chatuspada" in details justify the importance of Shadvidha Kriyakala in treatment.

YA18-910

MG-102 (A)

P.T.O.

(2)

Q.2. चिकित्सा में अग्नि, प्रकृति, सत्त्व, सात्म्य एवं देश का महत्व उचित उदाहरण द्वारा प्रतिपादित कीजिये। 15

Justify the importance of 'Agni' 'Prakriti' 'Sattva', 'Satmya' and 'Desh' with appropriate examples in the field of treatment.

Q.3. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 20

- अ) अनुपान
- ब) औज व्यापद
- स) पथ्यापथ्य की महत्व
- द) आवरण चिकित्सा सूत्र

Write short notes on

- a) Anupana
- b) Oja Uyapad
- c) Importance of Pathyapathy
- d) Principle of treatment of Avarana

खण्ड - ब/Section - B

Q.4. आमवत के भेद, लक्षण, चिकित्सा सूत्र एवं विशेष चिकित्सा विस्तार से वर्णन कीजिये। 15

Describe in details of types, symptoms principle of treatment and specific treatment of Amavata.

(3)

- Q.5. व्याधिक्षमत्व क्षय जन्य व्याधियों एवं उनकी उपचार लिखिए।
Describe the disorders due to immuno deficiency
and its treatments. 15

- Q.6. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 20

अ) राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

ब) सिद्ध चिकित्सा पद्धति

स) डेंगु ज्वर

द) शीतपित्र, उदर्द एवं कोठ चिकित्सा

Write short notes on

- National Health programmes
- Siddha system of treatment
- Dengue fever
- Treatment of 'Sheeta Pitta' 'Udarda' and 'Kotha'.



D6.Rav

Roll No.: 142780024

Total No. of Questions : 8]

[Total No. of Printed Pages : 4

MG-103

**B.A.M.S. IV Prof. (New)
Examination June 2018**

KAYA CHIKITSA

Paper - II

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्न हल कीजिये।

Note : All Question are to be Attempted.

खण्ड - अ /Section - A

Q.1. / कास एवं श्वास रोग के चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का वर्णन
कीजिये। 10

Describe chikitsa Sutra and management of the disease. Kasa and Swasharoga.

(2)

Q.2. विसूचिका, अम्लपित एवं ग्रहणी रोग के चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिये। 10

Describe chikitsa sutra and management of the disease visuchika, Amlapitta and Grahani roga.

Q.3. गृधरसी, कम्पवात एवं मन्यारस्तम्भ रोग के चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिये। 10

Describe chikitsa sutra and management of the disease gridhrasi,kampavata and Manyasthambha Roga.

Q.4. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। $4 \times 5 = 20$

- अ) कटि ग्रह
- ब) आध्मान
- स) अर्दित
- द) अग्निमांद्य

Write short notes on

- a) Kati graha
- b) Adhma
- c) Arda
- d) Agnimandya

(3)

खण्ड - ब /Section - B

नोट : सभी प्रश्न हल कीजिये।

Note : All Question are to be Attempted.

Q.5. प्रमेह रोग के चिकित्सा सूत्र के साथ मधुमेह का चिकित्सा वर्णन कीजिये। 10

Describe the chikitsa sutra of Prameha rog and management of Madhumeh.

Q.6. रसायन के प्रकार एवं उसकी परिभाषा का वर्णन कीजिये।

Describe the classification of Rasayan and the Defination. 10

Q.7. यौन संक्रमण जन्य रोग, फिरंग, उपदंश एवं गोनोरिया रोग के चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिये। 10

Sexually Transmitted disease phiranga, Upadansha and Gonorehoea disease describe the chikitsa sutra and management.

(4)

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

$4 \times 5 = 20$

a) मानस रोग चिकित्सा सूत्र

b) शुक्रदोष चिकित्सा

c) अस्थिक्षय चिकित्सा

d) रसायन का महत्व

Write short notes on

a) Chikitsa sutra of manas roga

b) Management of Shukradosh

c) Management of Asthikshya

d) Importance of Rasayana



Roll No. 105869

Total No. of Questions : 6]

[Total No. of Printed Pages : 2]

**B.A.M.S. IVth Professional Examination,
2017**

MF-319

**SHALYA TANTRA
Paper : I**

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100]

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Attempt any *five* questions.

1. निर्जिवाणुकरण विधि का उभयमतानुसार वर्णन कीजिए।

Discuss the method of Nirjivanukaran according to

Ubhayamatanusar.

(20)

2. यंत्र की परिभाषा, संख्या, प्रकार, गुण, दोष एवं कर्मों का
विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

SO-319

(1)

Turn Over

Q.3: अ) अस्तविधिशस्त्र कर्म का विस-

Explain the definition, number, types, property, defects
and karmas of tools in detail. 20

3. (अ) व्रणबंधन का उभयमतानुसार वर्णन कीजिए।
(ब) मर्मघात के लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए।
(a) Discuss Vranbandhan according to
Ubhayamatanusar.
(b) Explain the symptom and treatment of
Marmoghat. 20

4. (अ) क्षारसूत्र निर्माण विधि का विस्तृत वर्णन कीजिए।
(ब) अग्निकर्म के प्रकार एवं विधियों का वर्णन कीजिए।
(a) Write the construction method of ksharsutra in
detail.
(b) Describe the types and methods of Agnikarma. 20

5. दग्धव्रण के प्रकार, प्रतिशतता नियम एवं उभयमतानुसार चिकित्सा
का वर्णन कीजिए।

Explain the treatment, types, percentage rule of
Dagdhvrana. 20

6. टिप्पणी लिखिए :

- (i) M.R.I.
- (ii) H.I.V
- (iii) अस्ट्रासोनोग्राफी
- (iv) एंटीबायोटिक।

Write notes on :

- (i) M.R.I.
- (ii) H.I.V.
- (iii) Ultrasonography
- (iv) Antibiotic

20

Roll No. 10860

Total No. of Questions : 6]

[Total No. of Printed Pages : 3]

**B.A.M.S. IVth Professional
Examination, 2017**

MF-320

**SHALYA TANTRA
Paper : II**

Time : 3 Hours

[Maximum Marks : 100]

खण्ड—अ

(Section-A)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

1. अंसरन्थि चक्टे के लक्षण, निदान, उपद्रव एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

Describe the clinical features, diagnosis complications and management of shoulder joint dislocation.

SO-320

(1)

Turn Over

2. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (अ) स्तन विद्रधि
- (ब) भग्न के सामान्य लक्षण
- (स) परिकर्तिका
- (द) गुदविद्रधि

Write short notes on the following :

- 19 (a) Breast abscess
 - 2 (b) Clinical features of Bhagna
 - 126 (c) Fissure-in-Aro
 - 126 (d) Ano-rectal abscess
3. अर्श रोग के निदान, लक्षण, उपद्रव एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

Describe the causes, clinical features complication and treatment of haemorroids.

खण्ड—ब

(Section-B)

4. मूत्रबृद्धि का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Describe the hydrocele.

320

5. आंत्र वृद्धि के प्रकार, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए;

Describe the types, clinical features and treatment of inguinal hernia.

10

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) यकृत विद्रधि

(ii) पित्ताशयाशमरी

Write short notes the following :

(i) Liver abscess 2V1

(ii) Cholelithiasis ✓

10

मूर्ग हृष्टु वाक्यो

मूर्ग संवादात् रसीलस्य मूर्ग वृद्धिभवति, एवा वृद्धतो जामुख
हृष्टुर्व लक्ष्यमाति. मूर्ग हृष्टु वेदनां वृषयोः
भयश्चु कोरायो विपाल्याति, तर्तु मूर्ग वृद्धि विद्यात्

Roll No.: 142780023

Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 2

MG-105

B.A.M.S. IV Prof. (New) Examination June 2018

SHALYA TANTRA

Paper - I

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : All the questions are compulsory.

Q.1. a) शल्य तन्त्र का महत्व का वर्णन करें। 10

Explain the importance of Shalya Tantra.

b) सार्वदैहिक सज्जाहरण का वर्णन करें। 10

Explain about general Anaesthesia.

Q.2. a) योग्या का विस्तार पूर्वक वर्णन करें। 10

Explain in detail about "YOGYA".

b) 'प्रनष्ट शल्य' का वर्णन एवं निर्हरण के उपाय का वर्णन करें। 10

Explain about PRANASTA-SHALYA and its methods of NIRHARANA.

(2)

Q.3. a) 'अर्बुद' के लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 10

Explain about the "ARBUDA" (TUMOUR)
and its management.

b) 'कदर' एवं 'अपची' रोग का लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन
करें। 10

Explain about 'KADARA' and 'APACHI'
(Lakshan and treatment).

Q.4. अग्नि कर्म एवं रक्त मोक्षण की विधियों का वर्णन करें। 20

Explain the methods of Agni-KARMA and Rakta
Moksha.

Q.5. टिप्पणी करें : 4×5=20

- अ) 'एण्टिबायोटिक' का शल्य क्रिया में महत्व
- ब) मर्माधात
- स) व्रण वंधन के प्रकार
- द) रेनडस् व्याधि का वर्णन

Write short notes on:

- a) Importance of Antibiotics in Shalya Kriya.
- b) Shock
- c) Types of 'Vrana Vandana'.
- d) Explain Raynaud's disease.



R. 120 D.

Roll No.: 142830524

Total No. of Questions : 8]

[Total No. of Printed Pages : 2

MG-106
B.A.M.S. IV Prof. (New)
Examination June 2018
SHALYA TANTRA
Paper - II

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note : All Questions are Compulsory.

Section - A

- Q.1. Describe the Appendicitis-definition; location ;
Positions; Congenital Anomalies; Aetiology,
Clinical features; Clinical Signs; Investigation;
Differential diagnosis; Complications and its
operative procedure step by step. 20
- Q.2. Write about Aetiology; Clinical symptoms and
signs; Investigations and treatment of fistula-in-ano? 10
- Q.3. a) Explain clinical symptoms and signs;
Investigations and treatment of rectal polyps. 5
b) Explain clinical symptoms and signs;
Investigations and treatment of Ascites. 5

(2)

- Q.4. ✓ a) Bhagna Bhed? 2
✓ b) Clinical Features of Pleural Effusion. 2
c) Clinical features of Peptic Ulcer. 2
✓ d) Congenital anomalies of Bones. 2
e) Radiological finding of sigmoid volvulus. 2

Section - B

- Q.5. Describe Cholelithiasis - Aetiology; types; Clinical features; Clinical Examinations; Investigations ; Differential Diagnosis; Complications and Operative procedure steps. 20
- Q.6. Explain Aetiology; Clinical features; Clinical examination; Investigations; Differential Diagnosis; Complications and management of Pancreatitis. 10
- Q.7. a) Describe Clinical features; Investigations and treatment of Prostatic abscess? 5
✓ b) Describe clinical features; Investigations and management of Liver abscess? 5
- Q.8. a) Types of Renal calculi. 2
b) Investigation of urethral structure. 2
c) Clinical features of torsion of Testis 2
d) Clinical signs of Hydrocele. 2
e) Avapatika 2



Roll No.: ...11) 823

Total No. of Questions : 6]

[Total No. of Printed Pages : 2

MFS-319

B.A.M.S. IV Prof. Examination 2017 SHALYATANTRA

Paper - I

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोट : कोई भी पाँच प्रश्न करना अनिवार्य है।

Q.1. अ) शल्य की परिभाषा लिखते हुए शल्य तंत्र की प्रधानता का वर्णन करें। 10

ब) सप्तविधि व्रणोपक्रम का वर्णन करें। 10

Q.2. संज्ञानश की व्याख्या कर स्थानिक संज्ञा-हरण विधि, प्रयोग में आनेवाली औषध, मात्रा, उपद्रव एवं प्रबंधन को विस्तारपूर्वक वर्णन करें। 20

Q.3. अ) अस्तविधिशङ्क कर्म का विस्तारपूर्वक वर्णन करें। 10

ब) रक्तमोक्षण विधि का वर्णन करें। 10

(2)

Q.4. व्रणशोथ एवं विद्रधि रोग के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा का
विस्तारपूर्वक वर्णन करें। 20

Q.5. आगन्तुजप्रण भेद कारण, लक्षण एवं उभयमतानुसार चिकित्सा
का वर्णन करें। 20

Q.6. टिप्पणी लिखें :

20

- i) CAT-Scan
- ii) कोथ
- iii) रक्तस्रावकी चिकित्सा उभयमतानुसार
- iv) X-ray



Roll No.: 11823

Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 2

MFS-320

B.A.M.S. IV Prof. Examination 2017 SHALYATANTRA

Paper - II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : All questions are compulsory.

भाग - अ / Part - A

- Q.1. भग्न के सामान्य लक्षण, उपद्रव एवं चिकित्सा की विस्तार से व्याख्या करते हुये अक्षकारित्थ भग्न का वर्णन कीजिये। 20

Describe the clinical features, complications and treatment of Bhagna (fracture) and also describe the clavicular fracture under the above headings.

- Q.2. निम्नलिखित के कारण, लक्षण, चिकित्सा एवं उपद्रव का वर्णन कीजिये। 20

- a) जलोदर
b) गुदधंश

Describe the clinical features, causes, treatment and complications of –

- a) Ascites
b) Rectal prolapse

(2)

Q.3. भग्नदर रोग के लक्षण, उपद्रव एवं चिकित्सा, वर्गीकरण, का वर्णन कीजिये। 10

Describe the classification, clinical features complication and treatment of fistula in Ano.

भाग - ब / Part - B

Q.4. टिप्पणी लिखे। 25

- अ) पित्ताशयशोथ
स) BPH
इ) मूत्रवृद्धि
- ब) वृक्काश्मरी
द) परिवर्तिका

Write short note :

- 223 a) Cholecystitis
c) BPH
e) Congenital hydrocele
- b) Renal calculus
d) Paraphimosis 233

Q.5. आंत्रवृद्धि का वर्णन निम्नलिखित विषयान्तर्गत कीजिए। 25

- अ) वर्गीकरण
स) परीक्षण
इ) चिकित्सा
- ब) लक्षण
द) उपद्रव

Describe the inguinal hernia under

- a) Classification
c) Diagnosis
e) Treatment
- b) Clinical features
d) Complication



MGS-105

B.A.M.S. IVth Prof. (New)

Examination, 2018

Shalya Tantra

Paper - I

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट :- सभी प्रश्न हल करना है।

Note :- Attempt all the questions.

1. (अ) शस्त्र की परिभाषा, संख्या एवं गुण दोषों का वर्णन करें। $10 \times 2 = 20$
Explain the definition, numbers and Guna Dosas of Shastra ?

- (ब) स्थानिक संज्ञानाश की विधि, औषधि एवं प्रयोग का वर्णन करें।

MGS-105

(1)

P.T.O.

Nayanabudbuda

(स) कॉनजन्कटीविटी

✓ Conjunctivitis

(द) गलाउकोमा

✓ Glaucoma

Elaborate the indication, medicines and method of Local anaesthesia.

2. 'त्रिविधि कर्म' का वर्णन करें। 20

Explain the detail Trividha Karama ?

3. पदक्रिया काल का शाल्य तन्त्र में महत्व प्रतिपादित करें। 20

Explain the importance of Shat Kriyakala in Shaly Tantra ?

4. (अ) निज व्रण का निदान, संप्राप्ति, लक्षण एवं उपद्रव का वर्णन करें।

$10 \times 2 = 20$

Explain Nidan, Samprapti, Lakshna and Upadrava of Nija Vrana ?

(ब) गण्डमाला, कदर एवं बर्जर व्याधि के कारण लक्षण एवं चिकित्सा वर्णन करें।

Explain cause, sign & symptoms and treatment of Gandamala, Kadara and Berger's disease.

5. टिप्पणी करें :- 5×4=20

Write short notes :-

(अ) यन्त्र के कर्म

Functions of Yantra



(ब) रक्तस्तंभन

Haemo statsis

(स) एड्स

AIDS

(द) वेरिकोज वेन के लक्षण एवं चिकित्सा

Sign, Symptoms and treatment of Varicose veins.



MFS-323**B.A.M.S. IV Prof. Examination 2017****RESEARCH METHODOLOGY AND MEDICAL
STATISTICS***Time Allowed : Three Hours**Maximum Marks : 50*

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - अ

- Q.1. आयुर्वेद में रिसर्च (Research) की उपयोगिता, आवश्यकता व स्कोप (Scope) उदाहरण सहित बताइये। 10
- Q.2. रिसर्च मेथोडोलोजी (Research Methodology) की परिभाषा व स्टेप्स (Research steps) के नाम लिखें एवं हॉयपोथीसिस (Hypothesis) का वर्णन करें। 56 10

(2)

Q.3. टिप्पणी लिखिये :

10

- अ) रिसर्च में कम्प्यूटर का योगदान
- ब) क्वांटिटेटिव (Quantitative) Research

खण्ड - ब

Q.4. सांख्यिकी (statistics) को परिभाषित करते हुए चिकित्सा विज्ञान में
इसकी उपयोगिता बताइये।

10

Q.5. टिप्पणी लिखिए :

10

- अ) मीन (Mean)
- ब) दिये गए डेटा (Data) का मीन (Mean) बतायें।

8, 7, 2, 5, 9, 8, 6



Roll No. 105869.....

Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 3

**B.A.M.S. IVth Professional Examination,
2017**

MF-323

**RESEARCH METHODOLOGY AND MEDICAL
STATISTICS**

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

खण्ड-अ

(Section-A)

1. अनुसंधान की परिभाषा एवं रिसर्च के स्टेप्स के नाम लिखिये
एवं रिव्यू ऑफ लिट्रेचर का रिसर्च में महत्व बताइये।

Write the definition of Research and name the steps
of Research. Give the importance of Research in
Review of literature. (10)

SO-323

(1)

Turn Over

2. रिसर्च में इथिक्स का महत्व बताइये।

Explain the importance of ethics in research.

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) क्वालीटेटिव रिसर्च

(b) IT (कम्प्यूटर) का उपयोग रिसर्च में

Write notes on :

(a) Qualitative Research

(b) Uses of computer (IT) in research

खण्ड-ब

(Section-B)

4. सांख्यिकी को परिभाषित कीजिए। इसका चिकित्सा विज्ञान में
स्कोप एवं लिमिटेशन बताइये।

Define statistics. Discuss the scope and limitation of
statistics in clinical science.

5. टिप्पणियाँ लिखिए :

1

(a) मीडियन

(b) दिये गए डाटा का मीन बताइये—

4, 5, 8, 10, 12, 2, 3, 6,

SO-323

(2)

Write notes on :

- (a) Median
- (b) Mean of Data given below :

4, 5, 8, 10, 12, 2, 3, 6.

Roll No.:

[Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 3]

MG-109

B.A.M.S. IV Prof. (New)
Examination June 2018

RESEARCH METHODOLOGY AND MEDICAL STATISTICS

Time Allowed : Three Hours]

[Maximum Marks : 50]

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : All questions are compulsory.

खण्ड - अ / Section - A

Q.1. रिसर्च प्रोसेस (स्टेप्स) का विस्तृत वर्णन करें। 10

Define the Research Process (Steps) in detail.

Q.2. आयुर्वेद में रिसर्च का स्कोप व महत्व बताइये। 10

Describe the scope and need of Research in Ayurveda.

(2)

Q.3. टिप्पणी लिखिये।

Write notes on

a) प्योर रिसर्च, अप्लाइड रिसर्च

Pure Research, Applied Research

b) इथिक्स इन रिसर्च

Ethics in Research

खण्ड - ब /Section - B

Q.4. सेम्पल, मोड, रेन्ज व नॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन को परिभाषित करें।

10

Define Sample, mode, Range and Normal Distribution.

Q.5. टिप्पणी लिखिये।

10

Short notes:

a) बॉयोस्टेटिस्टिक्स

Biostatistics

(3)

- b) 1991 की जनगणना के अनुसार 10 शहरों की जनसंख्या
(हजार में) निम्नानुसार है

488, 1400, 1250, 1670, 1800, 700, 650, 570,
2100, 1700.

इनका मीडियन बताओ।

According to the census of 1991, following
are the population (in thousands) of 10 cities.

488, 1400, 1250, 1670, 1800, 700, 650, 570,
2100, 1700.

Find the median.



Roll No. 14L780023

Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 3

MGS-109

B.A.M.S. IVth Prof. (New)

Examination, 2018

Research Methodology & Medical Statistics

Time : 3 Hours]

Maximum Marks : 50

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note :- All questions are compulsory.

खण्ड - 'अ'

Section - 'A'

1. रिसर्च स्टेप्स के नाम लिखे एवं **हॉयपोकीसिस फॉमूलेशन** का रिसर्च में महत्व बताइयें।

10

MGS-109

(1)

. P.T.O.

Write the name of research steps and explain the importance of Formulation of Hypothesis in research.

2. IT का रिसर्च में महत्व स्पष्ट करें। 10

Describe the role of IT in Research.

3. टिप्पणी :- 10

Short notes :-

(अ) क्वालिटेटिव रिसर्च

Qualitative Research

(ब) प्रमाण का रिसर्च में महत्व

Role of Pramana in Research

खण्ड - 'ब'

Section - 'B'

4. बॉयोस्टेटिस्टिक्स (Biostatistics को परिभाषित करे एवं इसका चिकित्सा विज्ञान में उपयोग समझाइये। 10

Define Biostatistics and its applications in Medical Science.

5. टिप्पणी :- 10

Short notes :-

MGS-109

(2)



COLLECTION OF VARIOUS

- > HINDUISM SCRIPTURES
- > HINDU COMICS
- > AYURVEDA
- > MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with
By

Avinash/Shashi

Icreator of
hinduism
server

(अ) डॉटा कलेक्शन

Data Collection

(ब) दिये गए डॉटा का मीन बताइये -

52, 75, 40, 70, 43, 40, 65, 35, 48

Find mean of data given below :

52, 75, 40, 70, 43, 40, 65, 35, 48

+++